राजकीय महाविद्यालय जींद

स्थापना-वर्ष, जुलाई-1960

हिंदी–विभाग

दृष्टिकोण (Vision)

- विद्यार्थियों को उत्तम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उनके नैतिक सामाजिक बौद्धिक आजीविका अर्जन पक्ष को मजबूत कर उनको आत्मनिर्भर बनाना।
- मानक हिंदी का ज्ञान ।
- प्रयोजन मूलक हिंदी भाषा (कार्यालयी हिंदी तकनीकी हिंदी वाणिज्यिक हिंदी संचारी हिंदी) का बोध करवाना बोली उपभाषा और भारतीय भाषाओ का ज्ञान।
- हिंदी राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप मे भाषा और व्याकरण निरूपण करना।
- राष्ट्रभाषा की चेतना जागृत करना मौखिक अभिव्यक्ति मे कुशलता प्रदान करना (भाषण कविता वाद–विवाद उदघोषण परिचर्चा) सृजनात्मक एंव समीक्षात्मक चिंतन के कौशल का विकास करने में सक्षम करना।
- शिक्षा के व्यापक उद्देश्यो मे सामंजस्य स्थापित करके विद्यार्थियों मे सम्यक एंव सतुंलित व्यक्तित्व का विकास करना।

- हिंदी भाषा के अध्ययन–अध्यापन द्वारा संस्कार मूल्यो की शिक्षा देना। मानवीय संवेदना तथा सामाजिक संस्कारो की अवधारणा
- हिंदी विषय के प्रति छात्र–छात्राओं में रूचि परिमार्जित करना तथा प्रतिभा को पहचान कर उनके गुणों को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता का परिमार्जन करना।
- सामाजिक एंव सांस्कृतिक एकता का विकास करना।
- आध्यात्मिक मूल्यों का विकास तथा जीवन के उच्चआदर्शों की प्रतिष्ठा।
- भारतीय एंव पाश्चात्य जीवन मूल्यों का चिन्तन।
- हिंदी भाषा और साहित्य का सूक्ष्म–अर्थबोध कराना।
- विद्यार्थी में रचनात्मक कौशल विकसित करना मौलिक चिंतन के लिए प्रेरित करना विभिन्न कालों के साहित्यिक अध्ययन द्वारा सामाजिक सद्भाव पैदा करना।

उद्देश्य (Mission)

सामान्य उददेश्य

- शुद्ध सरल स्पष्ट प्रभावशाली भाषा में छात्र अपने भावो विचारो व अनुभूतियों की अभिव्यक्ति कर सकते है।
- विद्यार्थी के शब्दो वाक्यों तथा लोकोक्तियो आदि के कोश में वृद्धि करना।
- बोलकर व पढ़कर भावो की अभिव्यक्ति करना।
- शुद्ध व स्पष्ट उच्चारण की योग्यता प्राप्त करना।

विशिष्ट उददेश्य

- ज्ञानात्मक उददेश्य
- विद्यार्थी को भाषा तत्वों का ज्ञान प्राप्त करना।
- विद्यार्थी ध्वनि वर्ण शब्द और वाक्य की पहचान कर तथा इसके लघु उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकेगा।

कौशलात्मक या अभिव्यक्तिपरक उद्देश्य

- विद्यार्थियो मे किसी बात को बोलकर अभिव्यक्त करने करने की क्षमता उत्पन्न करने का विकास करना।
- विद्यार्थी मे गद्य व पद्य को पढ़कर अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास करना।
- इस उद्देश्य की प्राप्ति में भाषा शिक्षण द्वारा बलकों मे पढ़ी जाने वाली विषयवस्तु के प्रति भाषा और साहित्य के प्रति रूचि जागृत करना है।
- विद्यार्थी वाद–विवाद में कवि सम्मेलनो में सम्मिलित होकर सुनने समझने के प्रति अपने रूचि जागृत कर आनन्द प्राप्ति कर सके।

PROGRAM OUTCOME

- बी0 ए0 प्रथम द्वितीय तृतीय चतुर्थ पंचम छठा सेमेस्टर
- बी0 ए0 अंग्रेजी आनर्स प्रथम द्वितीय सेमेस्टर
- बी0 एस सी0 तृतीय चतुर्थ सेमेस्टर
- एम0 ए0 प्रथम द्वितीय तृतीय चतुर्थ सेमेस्टर

- **एम0 ए0 प्रथम वर्ष**
  - भाषा विज्ञान
  - हिंदी साहित्य का इतिहास
  - आधुनिक गद्य साहित्य
  - आधुनिक हिंदी काव्य
  - पत्रकारिता
- **एम0 ए0 द्वितीय वर्ष**
  - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
  - काव्यशास्त्र एंव साहित्यालोचन
  - प्रयोजनमूलक हिंदी
  - भारतीय साहित्य
  - विशेष अध्ययन

    सूरदास

    कबीरदास

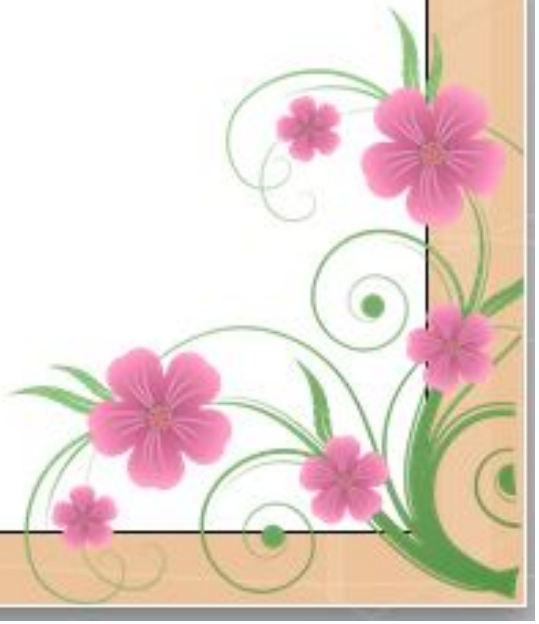

SPECIFIC PROGRAM OUTCOME

- **बी0 ए0 हिंदी अनिवार्य प्रथम सेमेस्टर**
  - मध्यकालीन काव्य–कबीर सूर तुलसी मीरा बिहारी घनानंद रसखान की कविताओं का पाठालोचन
  - आदिकाल का नामकरण विशेषताएँ रासो काव्य
  - काव्य के तत्व रस का स्वरूप भेद अलंकार काव्य गुण शब्द शक्तियाँ
- **द्वितीय सेमेस्टर**
  - ध्रुवस्वामिनी नाटक का पाठालोचन
  - भक्तिकाल का वैशिष्टय व्यवहारिक हिंदी
- **तृतीय सेमेस्टर**
  - काव्यकुंज हरिऔध मैथिलीशरण गुप्त जयशंकर प्रसाद सूर्यकांत त्रिपाठी निराला महादेवी वर्मा रामधारी सिंह दिनकर भारत भूषण अग्रवाल की कविताएँ

- **चतुर्थ सेमेस्टर**
  - कथाक्रम डॉ रोहिणी अग्रवाल
  - आधुनिक शब्दावली
  - पारिभाषिक शब्दावली
  - हिंदी उपन्यास नाटक निबंध कहानी का उदभव तथा विकास
- **पंचम सेमेस्टर**
  - समकालीन हिंदी कविता–भारतेन्दु युग द्विवेदी छायावाद प्रगतिवाद प्रयोगवाद नई कविता।
  - हिंदी साहित्य का आधुनिक काल
  - प्रयोजनमूलक हिंदी पत्रलेखन संक्षेपण पल्लवन
- **छठा सेमेस्टर**
  - नव्यतर गद्य गौरव–निबंध संस्मरण ललित निबंध व्यंग्य यात्रावृतांत
  - हरियाणवी लोक साहित्य का इतिहास हरियाणवी भाषा बोली सांग परम्परा हरियाणवी उपन्यास नाटक कहानी
  - हिंदी पत्रकारिता

- **बी0 एस सी0 तृतीय सेमेस्टर**
  - अभिनव काव्य गरिमा– मैथिलीशरण गुप्त जयशंकर प्रसाद सूर्यकांत त्रिपाठी निराला रामधारी सिंह दिनकर की कविताओ का पाठालोचन
  - निबन्ध– मानवाधिकार नैतिक शिक्षा मद्यनिषेद दूरदर्शन समाचार पत्रों का महत्तव विज्ञान और औद्योगिकीकरण वैश्वीकरण और विज्ञान ।
  - वैज्ञानिक शब्दावली
- **बी0 एस सी0 चतुर्थ सेमेस्टर**
  - संस्मरण–औरंगजेब की आखिरी रात लक्ष्मी का स्वागत रीढ़ की हड्डी बसंत ऋतु का नाटक संस्कार और भावना बहुत बडा सवाल
  - निंबध–महिलाधिकार गांधी दर्शन शिक्षा राजनीति विज्ञान और पर्यावरण प्रदूषण आकाशवाणी रेडियो कम्प्यूटर तथा इंटरनेट जनसंख्या विस्फोट
  - पत्र–अर्द्ध सरकारी पत्र तार लेखन
  - वैज्ञानिक शब्दावली

COURSE OUTCOME

- विद्यार्थियों को हिंदी भाषा का सैद्धातिक एंव व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होता है। मातृभाषा राष्ट्रभाषा एवं राजभाषा के रूप से अवगत कराना पाठ्यक्रम की विशेषता है। इस से विद्यार्थी को हिंदी भाषा में संम्प्रेषण की क्षमता प्राप्त होती है। भाषा की संरचना स्वन, रूपिम, स्वनिम, पद वाक्य का सिंद्धात रूप मे ज्ञान प्राप्त होता है। अलंकार रस के अध्ययन से काव्य सोंदर्य का परिचय मिलता है। साहित्य के गद्य एंव पद्य रूपो में उपलब्ध कविता, कहानी, नाटक आदि विधाओं में अभिव्यक्त जीवन के वैशिष्टय से विद्यार्थी अवगत होता है। साहित्य मे साहित्यकार की उच्च संवेदना स्तर का लाभ विद्यार्थियों को मिलता है। सुख दुखानुभूति द्वारा सामाजिक जीवन के विभिन्न पक्षों का परिचय मिलता है। कविताओं मे व्यक्त जीवन के यथार्थ के साथ–साथ उच्च आदर्श स्थिति से विद्यार्थी का सांस्कृतिक विकास होता है। हरियाणवी भाषा और उसकी प्रमुख बोलियों को समझने में निपुणता प्राप्त होती है। हरियाणवी साहित्य मे हरियाणा प्रदेश के जीवन की झलक मिलती है। हरियाणा के भौगोलिक परिवेश का परिचय मिलता है। हिंदी साहित्य के विभिन्न कालो का दिग्दर्शन होता है।

अतीत के जीवन–चित्र साहित्यकार के नजरिये से समझने की क्षमता का विकास होता है। प्रयोजनमूलक हिंदी के अध्ययन से हिंदी भाषा का प्रयोजनीय रूप विद्यार्थियो के समक्ष प्रस्तुत होता है। अनुवाद एवं विभिन्न क्षेत्रो की पत्रकारिता का कौशल विकसित होता है। पत्र लेखन तथा भावो का संवेदनात्मक चित्रण करने की क्षमता पैदा होती है। भाषा और साहित्य के अध्ययन से विज्ञान के विद्यार्थियों मे भी भावात्मक समझ विकसित होने का अवसर प्राप्त होता है। क्योंकि साहित्य मे सामाजिक जागरण का उदेश्य होता है। अतः विद्यार्थी रचनाओ मे आने वाले जीवन–प्रसंगो से समसामयिक जीवन को समझने की योग्यता प्राप्त करता है। पाठ्यक्रम के अध्ययन उपरांत विद्यार्थी सामाजिक राजनीतिक धार्मिक सांस्कृतिक आर्थिक क्षेत्रो के यथार्थ से अवगत होता है।

पाठ्यक्रम अवधि (PROGRAM DURATION)

❖ बी0 ए0	3 वर्षीय
❖ बी0 ए0 अंग्रेजी आनर्स	1 वर्षीय
❖ बी0 एस सी0	1 वर्षीय
❖ एम0 ए0	2 वर्षीय

छात्र संख्या (Intake)

बी0 ए0 प्रथम वर्ष	:	490
बी0 ए0 द्वितीय वर्ष	:	464
बी0 ए0 तृतीय वर्ष	:	396
बी0 ए0 इंग्लिश ऑनर्स प्रथम वर्ष	:	40
बीएससी मेडिकल द्वितीय वर्ष	:	44
बीएससी नॉन मेडिकल द्वितीय वर्ष	:	76
एम0 ए0 प्रथम वर्ष	:	39
एम0 ए0 द्वितीय वर्ष	:	36
कुल संख्या	:	1585

पूनम
UCG NET

नीतू
UCG NET

अजय कुमार
UCG NET

प्रवीण कुमार
UCG NET

बृजेश
UCG NET

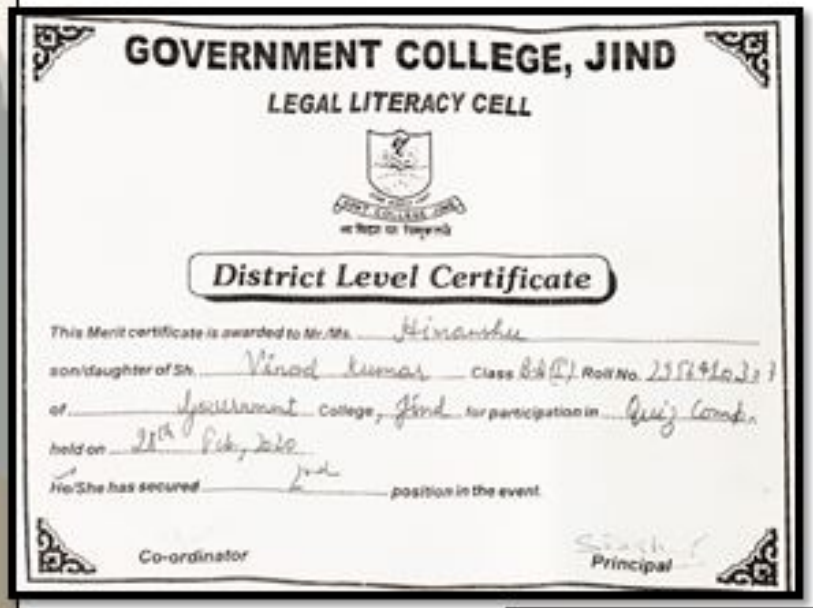

GOVERNMENT COLLEGE, JIND

LEGAL LITERACY CELL

District Level Certificate

This Merit certificate is awarded to Mr./Ms. Himanshu

son/daughter of Sh. Vinod kumar Class BA(I) Roll No. 2356410307

of Government College, Jind for participation in Quiz Comp.

held on 21th Feb, 2020

He/She has secured 2nd position in the event.

Co-ordinator

Principal

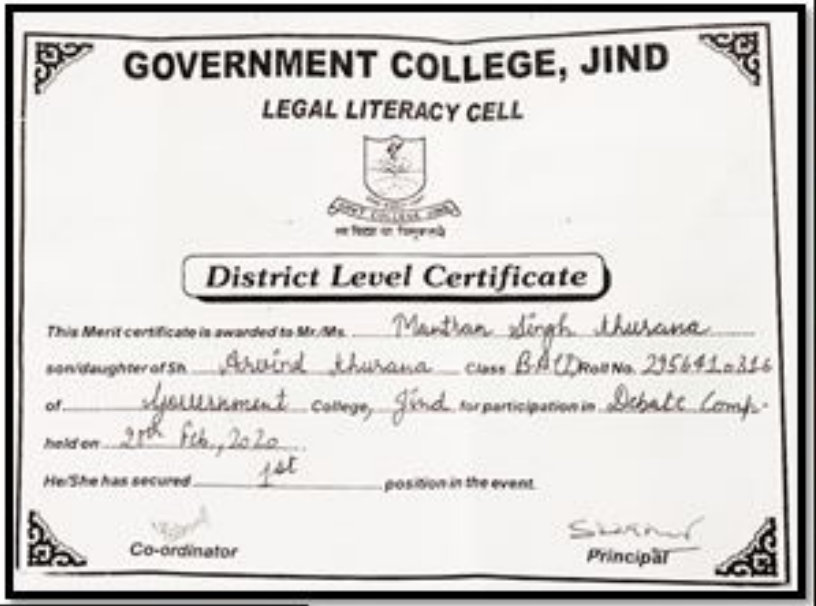

GOVERNMENT COLLEGE, JIND

LEGAL LITERACY CELL

District Level Certificate

This Merit certificate is awarded to Mr./Ms. Mantran Singh Khurana

son/daughter of Sh. Arvind Khurana Class BA(I) Roll No. 2356410356

of Government College, Jind for participation in Debate Comp.

held on 20th Feb, 2020

He/She has secured 1st position in the event.

Co-ordinator

Principal

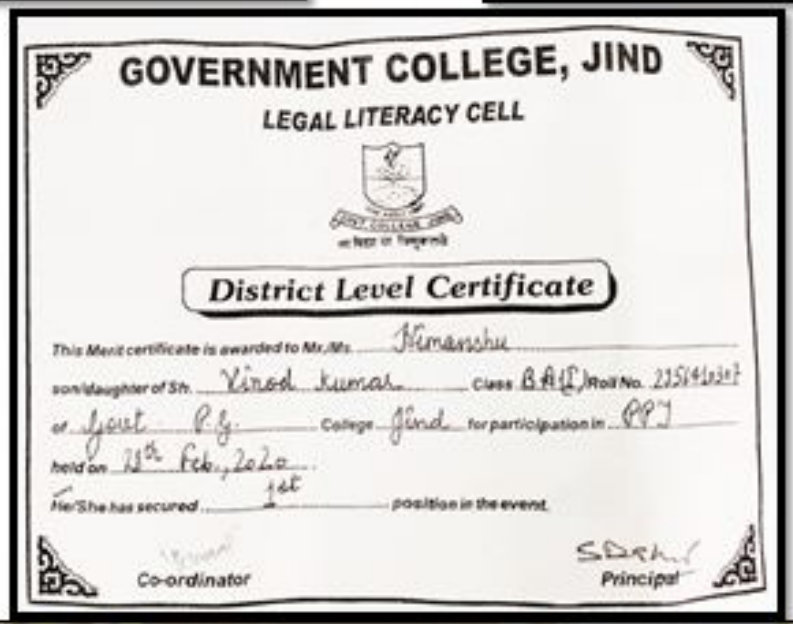

GOVERNMENT COLLEGE, JIND

LEGAL LITERACY CELL

District Level Certificate

This Merit certificate is awarded to Mr./Ms. Himanshu

son/daughter of Sh. Vinod kumar Class BA(I) Roll No. 2356410307

of Govt. P.G. College Jind for participation in PPT

held on 21th Feb, 2020

He/She has secured 1st position in the event.

Co-ordinator

Principal

सत्र 2019–2020 Activity Calendar

- जुलाई 2019 विभाग मीटिंग
- कक्षा प्रथम, तृतीय, पंचम सेमेस्टर जुलाई से नवम्बर 2019
  कक्षा द्वितीय, चतुर्थ, छठा सेमेस्टर जनवरी से अप्रैल 2020
- सितम्बर 2019 परिचय समारोह
- अक्टूबर 2019 हरियाणा दिवस
- नवम्बर 2019 विभाग मीटिंग आंतरिक मूल्यांकन चर्चा
- मार्च 2020 विदाई समारोह

सत्र 2020–2021 Activity Calendar

- सितम्बर 2020 विभाग मीटिंग
- कक्षाएं स्नातक तृतीय, पंचम सेमेस्टर सितम्बर 2020 से फरवरी 2021

  कक्षाएं स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर नवम्बर 2020 से फरवरी 2021

  कक्षाएं स्नातक प्रथम, सेमेस्टर नवम्बर 2020 से मार्च 2021

  कक्षाएं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर जनवरी से मार्च 2021
- जनवरी छात्र परिचय समारोह
- फरवरी 2020 विभाग मीटिंग आंतरिक मूल्यांकन चर्चा
- मई 2020 कविता पाठ
- जून 2020 वाद–विवाद प्रतियोगिता

हिंदी विभाग

शिक्षकगण

डॉ० शमशेर सिंह

नाम:- डॉ० शमशेर सिंह

पद:- सह-प्रोफेसर

योग्यता :- एम०फिल०, पीएच डी.

अनुभव: 23 वर्ष

1. मुख्य सम्पादक 'भूतेश्वर पत्रिका'
2. उप-रजिस्ट्रार महाविद्यालय
3. संयोजक बस पास कमेटी
4. संयोजक शिक्षुता कमेटी
5. जिला जनगणना प्रशिक्षक (2020-21)

डॉ० सुनीता कुमारी

नाम:- डॉ० सुनीता कुमारी

पद:- सहायक प्रोफेसर

योग्यता :- एम० फिल०, पीएच डी., नेट

अनुभव: 2 वर्ष, 3 महीने

1. सम्पादक 'भूतेश्वर पत्रिका'
2. 10 शोध-पत्र प्रकाशित
3. 2 संगोष्ठी
4. 2 वेबिनार
5. 15 दिवसीय संकाय संवृद्धि कार्यक्रम
6. सदस्य विभिन्न छात्रवृति समिति
7. सदस्य साहित्यिक समिति

श्री नरेन्द्र कुमार

नाम:- श्री नरेन्द्र कुमार

पद:- सहायक प्रोफेसर

योग्यता :- एम०ए०, नेट

अनुभव: 1 वर्ष

1. 3 शोध-पत्र प्रकाशित

2. 2 अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार

3 संयोजक धूम्रपान निषेध समिति

नाम:- श्री हरज्ञान

पद:- एक्सटेंशन लैक्चरर

योग्यता :- एम०ए०, नेट

अनुभव: 7 वर्ष 6 महीने

श्री हरज्ञान

1. हिन्दी विशेषज्ञ, विधान सभा चुनाव 2019
2. लोक सम्पर्क समिति सदस्य
3. 7 शोध-पत्र प्रकाशित
4. 7 अन्तर्राष्ट्रीय-संगोष्ठी
5. 7 राष्ट्रीय-संगोष्ठी
6. 2 अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार
7. 5 राष्ट्रीय वेबीनार

श्री सतीश कुमार

नाम:- श्री सतीश कुमार

पद:- एक्सटेंशन लैक्चरर

योग्यता :- एम०ए०, नेट

अनुभव: 7 वर्ष

1. 5 शोध-पत्र प्रकाशित
2. 1 अन्तर्राष्ट्रीय-संगोष्ठी
3. 5 राष्ट्रीय-संगोष्ठी

डॉ0 शीला देवी

नाम:- डॉ0 शीला देवी

पद:- एक्सटेंशन लैक्चरर

योग्यता :- एम0फिल0, पीएच0डी0

अनुभव: 6 वर्ष 7 महीने

1. 3 पुस्तक प्रकाशित
2. 3 शोध-पत्र प्रकाशित
3. 8 संगोष्ठी

श्रीमती ममता

नाम:- श्रीमती ममता

पद:- एक्सटेंशन लैक्चरर

योग्यता :- एम०ए०, नेट

अनुभव: 4 वर्ष 6 महिने

1. 5 शोध-पत्र प्रकाशित
2. 7 संगोष्ठी

डॉ० किरण बाला

नाम:- डॉ० किरण बाला

पद:- एक्सटेंशन लैक्चरर

योग्यता :- एम०ए०, पीएच०डी०

अनुभव: 3 वर्ष

1. 1 शोध-पत्र प्रकाशित
2. 3 संगोष्ठी

डॉ० प्रोमिला

नाम:- डॉ० प्रोमिला

पद:- एक्सटेंशन लैक्चरर

योग्यता :- एम०फिल०, पीएच०डी०

अनुभव: 6 वर्ष, 7 महिने

1. 2 शोध-पत्र प्रकाशित
2. 3 संगोष्ठी

धन्यवाद